बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 2

29 फाल्गुन, 1939 (श.)
मंगलवार, तिथि ----------
20 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 19

1.	उद्योग विभाग	....	....	02
2.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	09
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	02
4.	ऊर्जा विभाग	....	....	04
5.	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	....	....	02

			कुल योग –	**19**

आई.टी. क्षेत्र का विकास

अ ***215. **श्री नीरज कुमार : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि प्रदेश में आई.टी. क्षेत्र के विकास के लिए नई नीति बनायी गई है जिसके अनुसार आई.टी. सेक्टर की इकाई को उत्पादन की तिथि से पांच साल तक एस.जी.एस.टी. में शत-प्रतिशत छूट एवं नियोजन लागत में अनुदान दिया जायेगा;

(ख) क्या यह सही है कि आई.टी. क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन से पहले ही इकाई को स्टांप ड्यूटी, पंजीकरण और भूमि सम्परिवर्तन शुल्क में छूट दी जायेगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि नई नीति के बाद निवेशकों ने विकास में रुचि दिखलायी है, यदि हां तो कितने ?

टीके की व्यवस्था

***** 320. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के सरकारी अस्पतालों में निमोनिया का टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यहां मरीजों को काफी असुविधा हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि बाजार में निमोनिया के टीके की ऊंची कीमत साधारण मरीजों की पहुंच से बाहर होने के कारण प्रतिवर्ष हजारों बच्चे इस बीमारी से काल कवलित हो रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पटना के सरकारी अस्पतालों में शीघ्रातिशीघ्र निमोनिया के टीके की व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

अ- दिनांक-14 मार्च, 2018 ई. से स्थगित

पद रिक्त

***** 321. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के अधिकांश जिलों में सिविल सर्जन का पद रिक्त है और कुछ पद रिक्त होने वाले हैं;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग सभी जिले के सिविल सर्जन के कार्यकलापों की मॉनीटरिंग कर रहा है और इसके लिए राज्य स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारी एवं निदेशक प्रमुख को प्रभार दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि जिले में सिविल सर्जन का पद कई मायनों में महत्वपूर्ण है और इस पद के लिए सभी प्रकार से योग्य पदाधिकारी/चिकित्सक को ही पदस्थापित किया जाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार यह बताए कि जिलों में सिविल सर्जन के पद पर पदस्थापन हेतु किन-किन बिन्दुओं की समीक्षा की जा रही है और समीक्षोपरान्त किन-किन जिले के सिविल सर्जन योग्य पाये गये हैं और कितने अयोग्य ?

योजना का लाभ

***** 322. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के अस्पतालों में मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से बोन मैरो ट्रांसप्लांट सर्जरी, हीमोफीलिया एवं ट्रांसजेंडर सर्जरी को शामिल करने की योजना है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग ने इस योजना का प्रस्ताव जुलाई में ही तैयार किया था, लेकिन इस प्रस्तावित योजना को अबतक लागू नहीं किया जा सका है, जिससे गरीब गंभीर मरीज इस योजना का लाभ लेने से वंचित हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि कब तक इन गंभीर बीमारियों की योजना चालू करने का विचार रखती है, ताकि गरीब असहाय जनता इस योजना का लाभ ले सके ?

महत्वाकांक्षी योजना

* 323. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार सरकार द्वारा अति महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा अनेक जगहों पर प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गयी है और इसका भवन भी पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो गया लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण कई स्थानों पर विभाग द्वारा इसे अपने अधीन न लेने के कारण जनउपयोगी नहीं बन पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतलायेगी कि राज्य में अभी तक कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण हो चुका है और कितने को अभी विभाग अपने अधीन नहीं ले पायी है और कबतक उसे विभाग के अधीन लेने का प्रावधान है ?

गंभीर बीमारियों से ग्रसित

* 324. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) [redacted]
में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के सेहत की जांच व इलाज के लिए प्रा. स्वा. केन्द्र में डॉक्टर पदस्थापित किये गये हैं जो बच्चे गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं उन्हें इलाज के लिए रेफर करने का निदेश है;

(ख) क्या यह सही है कि (1) मेहसी के सुभाष कुमार (2) पिपरा चितामनपुर की मुस्कान कुमारी (3) कल्याणपुर दलित बस्ती की नेहा कुमारी (4) ताजपुर बारा के एस कुमार (5) मोतिहारी, गोटवा के अंशु कुमारी (6) भगताहा टोला, हरसिद्धि के राजू कुमार (7) मोतिहारी, खोदा नगर के मो. अबरार (8) चंकिया शितलपुर के अंकित कुमार हार्ट की बीमारी से ग्रसित हैं जिनका इलाज राज्य सरकार की सूचना के बावजूद अधिकारी सिर्फ आश्वासन देते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त बच्चों के हार्ट की बीमारी का इलाज अविलंब कराकर मासूमों की जान बचाना चाहती है तथा जिन राज्य के अधिकारियों द्वारा सिर्फ आश्वासन देकर जान से खिलवाड़ किया जा रहा है उनपर कार्रवाई करना चाहती है तथा पूर्वी चम्पारण जिला के इन बच्चों के साथ-साथ राज्य के कितने बच्चे जिलावार गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं बताना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

नियमानुसार कार्रवाई

***** 325. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि निदेशालय, स्वास्थ्य सेवायें, बिहार, पटना का पत्रांक-0 सं.सं.-04/विधि 8-02/16-178 (4), दिनांक-16.2.16 के द्वारा सभी जिलों के सिविल सर्जन को प्रयोगशाला प्रावैधिकी का शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने का निदेश दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि अबतक आठ जिलों के सिविल सर्जन एवं अधीक्षक, दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल द्वारा संविदा पर नियुक्त प्रयोगशाला प्रावैधिकी का जांच प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध नहीं कराया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य के सभी जिलों में संविदा पर नियुक्त प्रयोगशाला प्रावैधिकी की शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण प्रमाण पत्र तथा दूर शिक्षा प्रणाली प्रमाण पत्र की जांच कराकर आवश्यक एवं नियमानुसार कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

विकसित कबतक

***** 326. **श्री सी. पी. सिनहा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य सरकार होम्योपैथ, यूनानी व आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को विकसित करने के लिए ही आयुष मिशन का गठन किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि आयुष मिशन के तहत तीनों विभागों के अलग-अलग निदेशक बनाए गए हैं, आयुष मद में राशि का भी अभाव नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि बंगाल में चिकित्सा की होम्योपैथ विधा काफी विकसित है, बिहार को होम्योपैथिक संस्थानों के विकास के लिए कदम उठाने की जरूरत है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बिहार में होम्योपैथ विधा को विकसित करने के लिए क्या कदम उठा रही है, जिलों को क्या निदेश दिए गए हैं, नहीं तो क्यों?

चापाकल चालू करने पर विचार

***** 327. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में जनप्रतिनिधि, सदस्य, बिहार विधान परिषद्, सदस्य, बिहार विधान सभा और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के द्वारा चापाकल (हैण्ड पम्प) गड़ाया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में अभी तक सरकारी कितने चापाकल (हैण्ड पम्प) गाड़े गए हैं, कितने चालू स्थिति में हैं और कितने बंद हैं;

(ग) क्या यह सही है कि काफी संख्या में राज्य में चापाकल (हैण्ड पम्प) मरम्मती के बिना बंद पड़ा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो जनहित में सर्वे कराकर बंद चापाकल को कबतक सरकार चालू कराने का विचार रखती है ?

सम्मानित मानदेय

***** 328. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है;

(ख) क्या यह सही है कि डॉक्टरों की कमी के कारण सरकारी अस्पतालों में गरीबों का समुचित इलाज सही ढंग से नहीं हो पाता है;

(ग) क्या यह सही है कि सरकारी अस्पतालों में इतर निजी नर्सिंग होम और अस्पतालों में बड़ी संख्या में योग्य और अनुभवी डॉक्टर अपनी सेवा दे रहे हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार निजी क्षेत्र में कार्यरत डॉक्टरों को सम्मानित मानदेय देकर सरकारी अस्पतालों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

बिजली का पोल लगाने पर विचार

***** 329. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत कंकड़बाग कॉलोनी के महात्मा गांधी नगर (बेवा) में श्री जनकदेव प्रसाद सिंह के मकान से श्री राम कुमार शर्मा के मकान के बीच बिजली का खम्भा नहीं रहने के कारण वहां के वासियों को घरों के पानी के पाइप एवं खिड़की में बिजली का तार बांध कर बिजली जलाने को मजबूर हैं, साथ ही यहां के लोग अपने-अपने घरों से ही अर्थिंग लिए हुए हैं, जिससे वहां कभी भी भयंकर दुर्घटना घट सकती है;

(ख) क्या यह सही है कि सहायक अभियंता, बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी से कई बार लिखित एवं मौखिक उपर्युक्त विषय पर ध्यानाकृष्ट कराने के बावजूद आजतक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे वहां के वासियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक कंकड़बाग कॉलोनी के महात्मा गांधी नगर (बेवा) में श्री जनकदेव प्रसाद सिंह के मकान से श्री राम कुमार शर्मा के मकान के बीच में बिजली का पोल लगाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पोल-तार एवं ट्रांसफार्मर की व्यवस्था

*****330. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत पीरपैंती प्रखंड के बाखरपुर पूर्वी पंचायत के बबुआ टोला में पोल एवं तार काफी जर्जर है तथा ट्रांसफार्मर नहीं रहने के कारण विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि यही स्थिति उसी पंचायत के हरिजन टोला एवं सूर्यमंडल टोला का भी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पंचायत में पोल-तार एवं ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कबतक करना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

विद्युतीकरण की व्यवस्था

***** 331. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य स्तर पर सभी ग्राम एवं टोलों को विद्युतीकरण से जोड़ने की सरकार के द्वारा निर्णय लिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि जमुई जिलान्तर्गत ग्राम सनकुरहा, काकन, तिलकपुर एवं कुंदरी ग्राम एवं टोलों को अभी तक यह विद्युतीकरण से नहीं जोड़ा गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'ख' के वर्णित ग्राम एवं टोलों को जनहित में विद्युतीकरण से जोड़ना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कष्टों का निवारण

***** 332. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि रा.प्रा. विद्यालय उर्दू (मकतब), नरकटियागंज, पश्चिमी चंपारण के भवन की जर्जरता एवं किसी अप्रिय घटना होने की आशंका को देखते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, नरकटियागंज के पत्रांक-868, दिनांक-2.12.16 के माध्यम से उक्त विद्यालय को रा.म.वि., नरकटियागंज हिन्दी में स्थानांतरित करके मात्र एक कमरा में ही 194 अल्पसंख्यक छात्रों को पढ़ने पर विवश होना पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि रा.प्रा.वि., उर्दू नरकटियागंज के पास 1786 वर्गफीट (0.44 कट्ठा) भूमि उपलब्ध है;

(ग) क्या यह सही है कि वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2017-18 में विद्यालय के भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव जिला द्वारा राज्य कार्यालय को भेजा गया था, किन्तु अतिरिक्त वर्ग कक्षा के निर्माण हेतु बजटीय राशि जिले को अप्राप्त है;

(घ) क्या यह सही है कि नगर परिषद, नरकटियागंज में कुल 25 वार्ड हैं, जिसमें से मात्र रा.प्रा.वि., उर्दू में अल्पसंख्यक छात्रों को शिक्षा प्रदान की जाती है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय का निर्माण कराने हेतु अविलंब बजटीय राशि जिलों को उपलब्ध कराकर राजकीय प्राथमिक विद्यालय उर्दू, नरकटियागंज का भवन बनाकर अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों के कष्टों का निवारण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

औद्योगिक कार्यों की सुगमता

*333. **श्री संजय प्रकाश** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बिहार सरकार ने राज्य औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पर्षद का गठन किया है;

(ख) क्या यह सही है कि राजधानी पटना में दो औद्योगिक क्षेत्र, पाटलिपुत्र और फतुहा हैं;

(ग) क्या यह सही है कि इस क्षेत्र में न सड़कें अच्छी हैं, न नाले अच्छे हैं, यहां तक की खाली जमीन का अतिक्रमण भी कर लिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इसको कब औद्योगिक कार्यों की सुगमता के लिए दुरुस्त कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई

*334. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिले के मैरवा नगर परिषद् के अन्तर्गत नगरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण स्थानीय जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा पानी टंकी का निर्माण कराकर वर्षों पूर्व नगर परिषद्, मैरवा को सुपुर्द कर दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी, अभियंताओं एवं अन्य कर्मियों की लापरवाही के कारण उक्त पानी टंकी का मोटर खराब हुए वर्षों हो गया जिसके कारण नागरिकों को स्वच्छ पानी का वितरण नहीं हो रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पानी टंकी को ठीक कराकर आम जनता को शुद्ध पेयजल को उपलब्ध कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

पोल-तार की व्यवस्था

*335. **श्री देवेश चन्द्र ठाकुर** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत तारडीह पावर ग्रिड का कैथवार फीडर 8 वर्षों से बंद पड़ा है एवं कैथवार पंचायत में जर्जर तार एवं पोल की स्थिति काफी दयनीय है;

(ख) क्या यह सही है कि कैथवार फीडर बंद होने से लगभग 30-35 हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं और जर्जर तार एवं पोल से कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरभंगा जिला के प्रखंड तारडीह के कैथवार फीडर को शीघ्र चालू करने एवं पोल-तार बदलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

प्रोन्नति एवं पदस्थापन

*336. **श्री दिनेश प्रसाद सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के ज्ञापांक-355 (4), दिनांक-15.3.2017 के द्वारा स्वास्थ्य प्रशिक्षकों को प्रोन्नति के पद पर पदस्थापित करने हेतु डा. आजाद हिन्द प्रसाद, निदेशक प्रमुख (प्रशासन) की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय समिति का गठन किया गया था, जिसे 30 कार्य दिवसों के अंदर नियमानुकूल पद स्थापन की सूची तैयार कर उपस्थापित करना था जो अब तक लंबित है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य प्रशिक्षकों को प्रोन्नति देतु हुए पदस्थापित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

घेराबंदी करने पर विचार

*337. **श्री शिव प्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सुपौल जिला के पीपरा प्रखंड अन्तर्गत रामनगर पंचायत के वार्ड-1, वार्ड-2, वार्ड-10 एवं वार्ड-16-17 में कुल 4 (चार) कब्रिस्तान हैं;

(ख) क्या यह सही है कि इन चारों कब्रिस्तान की अभी तक घेराबंदी नहीं की गई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार चारों कब्रिसतान की चहारदीवारी-निर्माण हेतु आवश्यक राशि विमुक्त कर घेराबंदी करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

पटना
दिनांक 20 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्